ੴ

श्री सतगुरु राम सिंह जी सहाये

सिख इतिहास प्रश्नोत्तरी

भाग 1, 2, 3

विश्व नामधारी विद्याक जत्था, श्री भैणी साहिब

Email: vnvj@sribhainisahib.com

विषयसूची

भाग – 1..... 3

प्रश्न: उत्तर..... 4

मूल मंत्र 10

अरदास पातशाही 12वी..... 11

परसादा (भोजन) के बाद अरदास (प्रार्थना)..... 13

भाग – 2..... 14

प्रश्न: उत्तर..... 15

भाग—3 27

प्रश्न: उत्तर..... 28

भाग – 1

प्रश्न: उत्तर

प्रश्न 1: सिख धर्म के पहले गुरु का नाम क्या है?

उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी।

प्रश्न 2: श्री गुरु नानक देव जी के प्रमुख साथी कौन थे?

उत्तर: भाई बाला जी और भाई मर्दाना जी।

प्रश्न 3: गुरु नानक देव जी ने कुल कितनी उदासियाँ (धार्मिक यात्राएँ) की थीं?

उत्तर: चार प्रमुख यात्राएँ (उदासियाँ) की

प्रश्न 4: श्री आदि गुरु ग्रंथ साहिब का संकलन किस गुरु ने किया था?

उत्तर: श्री गुरु अर्जुन देव जी ने सन् 1604 में आदि ग्रंथ का संकलन किया।

प्रश्न 5: हरिमंदिर साहिब की नींव किसने रखी थी?

उत्तर: हरिमंदिर साहिब की नींव हजरत मियां मीर जी ने रखी थी।

प्रश्न 6: "बंदी छोड़" सतगुरु किसे कहा जाता है ?

उत्तर: "बंदी छोड़" का उपनाम श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब जी को दिया गया है। उन्होंने ग्वालियर किले में बंदी बनाए गए 52 राजाओं को मुक्त कराया था, जिसके कारण उन्हें "बंदी छोड़" कहा जाता है।

प्रश्न 7: "मीरी-पीरी" की दो तलवारें किसने धारण की थीं ?

उत्तर: श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने

प्रश्न 8: सिखों के सातवें गुरु का नाम क्या है ?

उत्तर: श्री गुरु हरि राय साहिब जी।

प्रश्न 9: दिल्ली में किस गुरु साहिब ने शहादत दी थी?

उत्तर: श्री गुरु तेग बहादुर जी ने दिल्ली में शहादत दी थी।

प्रश्न 10: खालसा पंथ की स्थापना किसने की थी?

उत्तर: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने

प्रश्न 11: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पाँच प्यारे कौन थे?

उत्तर:

भाई दया सिंह जी

भाई धरम सिंह जी

भाई हिम्मत सिंह जी

भाई मोहकम सिंह जी

भाई साहिब सिंह जी

प्रश्न 12: चार साहिबज़ादों के नाम क्या हैं?

उत्तर:

साहिबज़ादा अजीत सिंह जी

साहिबज़ादा जुझार सिंह जी

साहिबज़ादा जोरावर सिंह जी

साहिबज़ादा फतेह सिंह जी

प्रश्न 13: "चंडी दी वार" किस गुरु साहिब की रचना है?

उत्तर: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की।

प्रश्न 14: श्री दसम गुरु ग्रंथ साहिब के रचयिता कौन हैं?

उत्तर: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी।

प्रश्न 15: नामधारी लहर किसने शुरू की थी?

उत्तर: श्री सतगुरु राम सिंह जी ने।

प्रश्न 16: श्री सतगुरु राम सिंह जी का प्रकाश (जन्म) कहाँ हुआ था?

उत्तर: पंजाब के लुधियाना जिले के राइयां गाँव में।

प्रश्न 17: श्री सतगुरु राम सिंह जी के माता-पिता के नाम क्या हैं?

उत्तर: पिता - बाबा जस्सा सिंह जी , माता - सदा कौर जी ।

प्रश्न 18: सतगुरु राम सिंह जी के भाई का नाम क्या था?

उत्तर: श्री सतगुरु हरी सिंह जी, जिनका प्रारंभिक नाम बाबा बुद्ध सिंह था।

प्रश्न 19: पाँच ककार (पाँच क) के नाम क्या हैं?

उत्तर:

केश

कंघा

कड़ा

कृपाण

कछहरा

प्रश्न 20: श्री सतगुरु राम सिंह जी के पाँच प्यारे कौन थे?

उत्तर:

भाई काहन सिंह जी

भाई लाभ सिंह जी

भाई सुध सिंह जी

भाई आत्मा सिंह जी

भाई नैना सिंह जी

प्रश्न 21: महिलाओं को अमृत की दीक्षा किसने दी?

उत्तर: महिलाओं को अमृत की दीक्षा श्री सतगुरु राम सिंह जी ने दी थी।

प्रश्न 22: छोटे साहिबजादों को किस प्रकार शहीद किया गया?

उत्तर: गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादे जीवित दीवार में चिनवा दिए गए।

प्रश्न 23: भाई मनी सिंह जी को किस प्रकार शहीद किया गया?

उत्तर: भाई मनी सिंह जी के शरीर के अंगों को एक-एक करके काटकर (बंद-बंद काट कर) शहीद किया गया।

प्रश्न 24: किस सिख को आरे से चीरकर शहीद किया गया?

उत्तर: भाई मती दास जी को

प्रश्न 25: शहीद बिशन सिंह कितनी उम्र में शहीद हुए?

उत्तर: मात्र 12 वर्ष की आयु में

प्रश्न 26: मलेरकोटला में कितने नामधारी सिख शहीद हुए?

उत्तर: 66 नामधारी सिख

प्रश्न 27: "शेर-ए-पंजाब" किसे कहा जाता है?

उत्तर: महाराजा रणजीत सिंह जी को ।

प्रश्न 28: "जपुजी साहिब" किस गुरु की रचना है?

उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी की ।

प्रश्न 29: श्री जीवन नगर किसने बसाया?

उत्तर: श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी ने ।

प्रश्न 30: सतगुरु प्रताप सिंह जी की माता जी का नाम क्या था ?

उत्तर: माता जीवन कौर जी ।

प्रश्न 31: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी के बचपन का नाम क्या था ?

उत्तर: "बेअंत जी" ।

प्रश्न 32: गोपाल रत्न सम्मान किस गुरु साहिब को मिला ?

उत्तर: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी को

प्रश्न 33: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी की सुपत्नी का नाम क्या था?

उत्तर: माता चंद कौर जी ।

प्रश्न 34: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी की सुपुत्री का नाम क्या था?

उत्तर: बीबा साहिब कौर जी ।

प्रश्न 35: सतगुरु उदय सिंह जी के माता-पिता के नाम क्या हैं?

उत्तर: पिता: महाराज बीर सिंह जी, माता: बेबे दलीप कौर जी

प्रश्न 36: श्री सतगुरु उदय सिंह जी की पत्नी का नाम क्या है?

उत्तर: माता गुरशरन कौर जी ।

प्रश्न 37: ग्यारहवीं पातशाही का नाम क्या है?

उत्तर: श्री सतगुरु बालक सिंह जी ।

प्रश्न 38: श्री भैणी साहिब के पाँच ऐतिहासिक स्थलों के नाम बताएं।

उत्तर:

राम मंदिर

हरी मंदिर

जगजीत मंदिर

प्रताप मंदिर

अकाल बुंगा

प्रश्न 39: जगजीत मंदिर किस सतगुरु की स्मृति में बनाया गया है?

उत्तर: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी ।

प्रश्न 40: श्री भैणी साहिब में मनाए जाने वाले दो मेलों के नाम बताइए।

उत्तर:

होला महल्ला

असू का मेला

मूल मंत्र

ੴ सतनाम्

करता पुरख

निर्भउ निरवैर

अकाल मूरति अजूनी सैभं गुरप्रसाद ॥

। जप ।

आद सच, जुगाद सच, है भी सच, नानक होसी भी सच ॥

अरदास पातशाही 12वी.

ੴ

वाहिगुरू जी की फतहि ॥

स्री भगउती जी सहाइ ॥

पातशाही १२ ॥

प्रिथम भगौती सिमरि कै गुर नानक लई धिआइ ॥ फिरि अंगद गुर ते अमरदास रामदासै होई सहाइ ॥अरजुन हरि गोबिंद नू सिमरौ स्री हरिराइ ॥ स्री हरि क्रिसन धिआई ऐ जिस् डिठे सभ दुखु जाइ ॥ तेग बहादर सिमरीऐ घरि नउनिधि आवै धाइ सभ थाईं होइ सहाइ ॥ दसम पातशाह स्री गुरू गोबिंद सिंघ जी सभ थाई होइ सहाइ ॥ स्री सतिगुरू बालक सिंघ जी सिमरीऐ जिन मारग दीआ बताइ ॥अकाल पुरख अंतरजामी स्री सतिगुरू राम सिंघ जी जिन जम ते लीआ छडाइ ॥ जोति का जामा स्री सतिगुरू हरी सिंघ जी सिमरीऐ जिन टुट्टी लई मिलाइ ॥ अटट्ल प्रतापी स्री सतिगुरू प्रताप सिंघ जी सिमरीऐ जिन कलिजुग विच सुच सोध नाम बाणी दा प्रवाह दिोइता चलाइ ॥ सरब कला समरथ स्री सतिगुरू जगजीत सिंघ जी सिमरीऐ जनम मरन दुख जाए ॥ हाजरा हजूर पहिरे दे मालक स्री सतिगुरू उुदे सिंघ जी सभ थाईं ं होहु सहाइ ॥ गुरू जी के चार साहिबज़ादे पंज पिआरे चाली मुकते बेअन्त शहीदाँ दी कमाई वल धिआन धर के आप जी दा पवितर नाम चित आवै ॥ सतिगुरू जी पातशाह ! असीं ं सदा

भुलणहार हाँ, आप सदा बखशिंद हो, दरों घरों सिक्खी सिदक बखशो, बेमुख हो के ना मरीइे ॥ धरती ते धरम वरताओ महाँ मलेछ दा नास करो, संतखालसे दा प्रकाश करो ॥ गऊ गरीब दे कशट नूं दूर करो, कुल स्रिशटी आपजी दा नाम जपे कोई दुखीआ रहे ना ॥जो तै गुरू रूप धार के हुकमु दिया है ग्रंथ साहिब मै, सो तू आपणा हुकम सदा ई मनाईं ॥स्री सतिगुरू राम सिंघ सच्चेपातशाह जी आप जी दे चरनाँ विच प्रारथना है साडा धरम बणिआ रहे। दीनाबंधू सतिगुरू सच्चे पातशाह आप जी दी क्रिपा नाल आप दीआँ पिआरीआँ संगताँ ने इकोइतर हो के पवित्र नाम दा सिमरन कीता है

आप जी दे दरशन नमित, दर परवान होवे ॥

दरशनाँ दी दात बखशणी____न विसरीं न विसारीं, रक्ख लओ बखश लओ, देह करके देहु दीदार स्री सतिगुरू राम सिंघ जी नाम चढ़दी कला तेरे भाणे सरबत दा भला ॥

जो बोले सो निहाल सति स्री अकाल ॥

परसादा (भोजन) के बाद अरदास (प्रार्थना)

हुकम श्री सतगुरू जगजीत सिंघ जी

सलोकु ॥

दासह एकु निहारिआ सभु कछु देवनहार ॥

सासि सासि सिमरत रहहि नानक दरस अधार ॥१॥

पउड़ी ॥

ददा दाता एकु है सभ कउ देवनहार ॥

देंदे तोटि न आवई अगनत भरे भंडार ॥

दैनहारु सद जीवनहारा ॥

मन मूरख किउ ताहि बिसारा ॥

दोसु नही काहू कउ मीता ॥

माइआ मोह बंधु प्रभि कीता ॥

दरद निवारहि जा के आपे ॥

नानक ते ते गुरमुखि ध्रापे ॥३४॥

श्री सतगुरू राम सिंघ जी, तेरी देगों प्रशादा छकेआ

लोह लंगर तपे, साध संगत छके, अटूट भंडारे वरतण

श्री सतगुरू राम सिंघ नाम चड़दी कला

तेरे भाणे सरबत दा भला

जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल ॥

भाग – 2

प्रश्न: उत्तर

प्रश्न 1: श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश कहाँ हुआ था?

उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल 1469 को 'राय भोई दी तलवंडी' नामक स्थान पर हुआ था, जो अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 2: श्री गुरु नानक देव जी के माता-पिता के नाम क्या थे?
उत्तर: पिता- मेहता कालू , माता- माता तृप्ता जी

प्रश्न 3: श्री गुरु नानक देव जी की बहन का नाम क्या था?
उत्तर: बेबे नानकी जी ।

प्रश्न 4: भाई बाला और भाई मरदाना किस गुरु के सेवक थे?
उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी के ।

प्रश्न 5: श्री गुरु नानक देव जी ने कुल कितनी उदासियाँ की थीं?
उत्तर: चार प्रमुख यात्राएँ (उदासियाँ) की थीं।

प्रश्न 6: श्री गुरु नानक देव जी की दो प्रमुख बाणियों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. **जपुजी साहिब**
2. **आसा दी वार**

प्रश्न 7: देहधारी गुरु की परंपरा किसने शुरू की?
उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी ने ।

प्रश्न 8: गुरुमुखी लिपि का प्रचार किसने शुरू किया?
उत्तर: गुरु अंगद देव जी ने ।

प्रश्न 9: गुरु अंगद देव जी का पहला नाम क्या था?
उत्तर: गुरु अंगद देव जी सिखों के दूसरे गुरु थे और आपजी का पहला नाम “भाई लहणा” जी था।

प्रश्न 10: गुरु अंगद देव जी की सिख इतिहास में कौन-सी प्रमुख देन है?
उत्तर: भाई बाले वाली “जनम साखी”

प्रश्न 11: गोइंदवाल नगर की स्थापना किस गुरु जी ने की?
उत्तर: गुरु अमर दास जी ने ।

प्रश्न 12: गुरु अमर दास जी ने किस मेले की शुरुआत की?
उत्तर: गुरु अमर दास जी ने वैसाखी मेले की शुरुआत की थी।

प्रश्न 13: आनंद साहिब किस गुरु साहिब की रचना है?
उत्तर: गुरु अमर दास जी ने

प्रश्न 14: गुरु राम दास जी का विवाह किससे हुआ था?
उत्तर: गुरु राम दास जी का विवाह बीबी भानी जी से हुआ था, जो गुरु अमर दास जी की पुत्री थीं।

प्रश्न 15: अमृतसर में राम सरोवर की खुदाई किसने करवाई?
उत्तर: श्री गुरु राम दास जी ने ।

प्रश्न 16: गुरु अर्जुन देव जी सिखों के कौन से गुरु थे?
उत्तर: गुरु अर्जुन देव जी सिखों के पाँचवें गुरु थे।

प्रश्न 17: श्री हरिमंदिर साहिब का निर्माण किसने किया?
उत्तर: गुरु अर्जुन देव जी ने ।

प्रश्न 18: हरिमंदिर साहिब की नींव किसने रखी?
उत्तर: सूफी संत साईं मियां मीर जी ने

प्रश्न 19: हरिमंदिर साहिब के पहले हेड ग्रंथी का नाम क्या था?
उत्तर: बाबा बुड्ढा साहिब जी ।

प्रश्न 20: श्री आदि गुरु ग्रंथ साहिब जी की संपादन किस गुरु साहिब ने की?
उत्तर: गुरु अर्जुन देव जी ने ।

प्रश्न 21: गुरु अर्जुन देव जी ने कौन-कौन से नगर बसाए?
उत्तर: अमृतसर, छहरटा, तरन-तारण और करतारपुर ।

प्रश्न 22: गुरु अर्जुन देव जी को शहीद करने के लिए क्या-क्या यातनाएं दी गईं?
उत्तर: 1. उबलते हुए पानी में बैठाया गया ।
2. तपती तवे पर बैठाकर उनके सिर पर गर्म रेत डाली गई।

प्रश्न 23: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने गुरु नानक देव जी की सिखी में क्या परिवर्तन किया?

उत्तर: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने सिखों को हाथ में तलवार पकड़कर भक्ति के साथ-साथ योद्धा और वीर बनने का आदेश दिया।

प्रश्न 24: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी को "बंदी छोड़" क्यों कहा जाता है?

उत्तर: क्योंकि उन्होंने ग्वालियर के किले से रिहा होते समय 52 राजाओं को भी अपने साथ आज़ाद करवाया था।

प्रश्न 25: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने मुग़ल हुकूमत के विरुद्ध कितनी लड़ाइयाँ लड़ीं?

उत्तर: चार (4) प्रमुख युद्ध लड़े।

प्रश्न 26: श्री राम राय जी कौन थे?
उत्तर: श्री राम राय जी श्री गुरु हर राय जी के पुत्र थे।

प्रश्न 27: श्री गुरु हरिकृष्ण जी कितने साल की उम्र में गद्दी पर सुशोभित हुए?
उत्तर: पाँच साल की उम्र में ।

प्रश्न 28: श्री गुरु हरिकृष्ण जी ने दिल्ली जाते समय पंजोखरा नगर में क्या चमत्कार किया?
उत्तर: श्री गुरु हरिकृष्ण जी ने अहंकारी पंडितों के संदेह को दूर करने के लिए पंजोखरा (अंबाला) में एक गूंगे और अनपढ़ छज्जू झीवर के सिर पर छड़ी रखकर उससे गीत के अर्थ पढवाये ।

प्रश्न 29: औरंगज़ेब की हुकूमत ने गुरु तेग बहादुर जी के सामने शहादत से पहले कौन-सी तीन शर्तें रखी थीं?

उत्तर:

1. कोई चमत्कार दिखाओ, नहीं तो...
2. इस्लाम स्वीकार करो, नहीं तो...
3. प्राण देने के लिए तैयार हो जाओ।

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने पहली दो शर्तें अस्वीकार कर दीं और तीसरी शर्त स्वीकार कर शहादत दी।

प्रश्न 30: श्री गुरु तेग बहादुर जी का पहला नाम क्या था?

उत्तर: श्री त्याग मल जी ।

प्रश्न 31: आनंदपुर साहिब किसने बसाया और इसका पहला नाम क्या रखा गया?

उत्तर: आनंदपुर साहिब को श्री गुरु तेग बहादुर जी ने बसाया था। इसका पहला नाम "चक नानकी" रखा गया था।

प्रश्न 32: श्री गुरु तेग बहादुर जी के साथ और किन-किन सिखों को और किस प्रकार शहीद किया गया?

उत्तर:

1. भाई मती दास जी – जीवित ही आरे से चीर दिया गया।
2. भाई दयाला जी – उबलती देग (बर्तन) में उबाले गए।
3. भाई सती दास जी – रुई में लपेटकर आग लगाकर जला दिया गया।

प्रश्न 33: भाई तारु सिंह जी को किस प्रकार शहीद किया गया?

उत्तर: भाई तारु सिंह जी की खोपड़ी उतार दी गई थी।

प्रश्न 34: भाई मनी सिंह जी को किस प्रकार शहीद किया गया?

उत्तर: भाई मनी सिंह जी को शरीर के एक-एक अंग को काटकर (बंद-बंद काट कर) शहीद किया गया।

प्रश्न 35: श्री गुरु तेग बहादुर जी को कहाँ शहीद किया गया?

उत्तर: दिल्ली के चांदनी चौक में ।

प्रश्न 36: गुरु तेग बहादुर जी को "हिंद की चादर" क्यों कहा जाता है?

उत्तर: क्योंकि उन्होंने हिंदू धर्म और पूरे हिंदुस्तान की आन-बान-शान की रक्षा के लिए शहादत दी थी।

प्रश्न 37: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?

उत्तर: 1666 ईस्वी में पटना साहिब, बिहार में ।

प्रश्न 38: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के माता-पिता का नाम बताइए?

उत्तर: माता का नाम: माता गुजरी जी
पिता का नाम: श्री गुरु तेग बहादुर जी

प्रश्न 39: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कब और कहाँ की?

उत्तर: सन 1699 ईस्वी में, वैसाखी के दिन, आनंदपुर साहिब में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की।

प्रश्न 40: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पाँच प्यारे के नाम बताइए?

उत्तर:

1. भाई दया सिंह जी
2. भाई धर्म सिंह जी
3. भाई हिममत सिंह जी
4. भाई मोहकम सिंह जी
5. भाई साहिब सिंह जी

प्रश्न 41: पाँच ककार (5 कक्के) के नाम और उनका महत्व बताइए?

उत्तर:

1. केश – सिखी की पहचान
2. कंघा – केशों की सफाई के लिए
3. कड़ा – अंधविश्वास और बुराई को तोड़ने का प्रतीक
4. कृपाण – आत्मरक्षा और धर्म की रक्षा के लिए
5. कछहरा – अच्छे आचरण के लिए

प्रश्न 42: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की पत्नियों के नाम बताइए।
उत्तर: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की तीन पत्नियाँ थीं:

1. माता सुन्दरी जी
2. माता जीतो जी
3. माता साहिब देवा जी

प्रश्न 43: चार साहिबज़ादों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. साहिबज़ादा अजीत सिंह जी
2. साहिबज़ादा जुझार सिंह जी
3. साहिबज़ादा ज़ोरावर सिंह जी
4. साहिबज़ादा फतेह सिंह जी

प्रश्न 44: साहिबज़ादे कहाँ-कहाँ शहीद हुए?
उत्तर: साहिबज़ादा अजीत सिंह जी और साहिबज़ादा जुझार सिंह जी — चमकौर की जंग में शहीद हुए।

साहिबज़ादा ज़ोरावर सिंह जी (उम्र 9 वर्ष) और साहिबज़ादा फतेह सिंह जी (उम्र 7 वर्ष) — सिरहिंद में दीवार में जिंदा चिनवाकर शहीद किए गए।

प्रश्न 45: गुरु गोबिंद सिंह जी ने कौन-कौन से किले बनवाए?
उत्तर: गुरु गोबिंद सिंह जी ने निम्नलिखित किले बनवाए:

1. फतेहगढ़
2. आनंदगढ़
3. केसगढ़
4. होलगढ़
5. लोहगढ़
6. निर्मोहगढ़

प्रश्न 46: गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरुगद्दी की सौगात किसे सौंपी?
उत्तर: गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरुगद्दी की सौगात गुरु बालक सिंह जी को सौंपी।

प्रश्न 47: "बेर ग्यारवीं जब हम आवहि, तिस्ते कोइक हम लाख पावहि" — ये पंक्तियाँ किस ग्रंथ में अंकित हैं और इसका अर्थ क्या है?

उत्तर: यह पंक्तियाँ 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' के ऋतु पांचवीं, अंश 38 में लिखी गई हैं।

अर्थ: गुरु गोबिंद सिंह जी कहते हैं, "जब मैं ग्यारहवें रूप में (अवतार में) आऊँगा, तब लाखों में से कोई एक ही मुझे पहचान सकेगा।"

प्रश्न 48: श्री गुरु गोबिंद सिंह जी नाभा की झिड़ी में किस नाम से विचरण करते रहे?

उत्तर: बाबा अजयपाल सिंह जी के नाम से ।

प्रश्न 49: श्री सतगुरु बालक सिंह जी का निवास स्थान कहाँ है?

उत्तर: श्री हज़रों साहिब (पाकिस्तान) में।

प्रश्न 50: श्री सतगुरु बालक सिंह जी ने गुरुगद्दी की सौगात किसे सौंपी?

उत्तर: श्री सतगुरु राम सिंह जी को।

प्रश्न 51: सतगुरु राम सिंह जी के माता-पिता का नाम बताइए।

उत्तर: पिता – बाबा जस्सा सिंह जी

माता – सदा कौर जी

प्रश्न 52: श्री सतगुरु राम सिंह जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?

उत्तर: सन् 1816 ई. में, गाँव राईयां (जिला लुधियाना) में।

प्रश्न 53: रायकोट में किन तीन सिंहों को फाँसी दी गई?

उत्तर:

1. संत मस्तान सिंह
2. संत मंगल सिंह
3. संत गुरमुख सिंह जी

प्रश्न 54: सतगुरु राम सिंह जी ने सबसे पहले किन पाँच सिखों को अमृत छकाया?

उत्तर:

1. भाई काहन सिंह निहंग
2. भाई लाभ सिंह रागी

3. भाई सुध सिंह
4. भाई आत्मा सिंह
5. भाई नैणा सिंह

प्रश्न 55: सबसे पहले स्त्रियों को अमृत की सौगात किस सतगुरु जी ने दी?
उत्तर: सतगुरु राम सिंह जी ने।

प्रश्न 56: आनंद कारज की रस्म किस सतगुरु जी ने और कब आरंभ की?
उत्तर: सतगुरु राम सिंह जी ने 3 जून 1863 को।

प्रश्न 57: मलेरकोटला साके में 17-18 जनवरी 1872 को कितने सिंह शहीद हुए?
उत्तर: 66 सिंह शहीद हुए।

प्रश्न 58: अंग्रेज़ सरकार के विरुद्ध 'ना-मिलवर्तन' (असहयोग) आंदोलन सबसे पहले किसने चलाया?
उत्तर: श्री सतगुरु राम सिंह जी ने।

प्रश्न 59: सतगुरु राम सिंह जी ने प्रचार हेतु कितने सूबा साहिबान नियुक्त किए?
उत्तर: 22 सूबे नियुक्त किए।

प्रश्न 60: कूका पोस्टल सेवा के इंचार्ज का नाम बताइए।
उत्तर: सूबा साहिब सिंह

प्रश्न 61: श्री सतगुरु राम सिंह जी के पंचायती सूबा का नाम बताइए।
उत्तर: सूबा ज्ञानी रत्न सिंह

प्रश्न 62: सतगुरु राम सिंह जी ने अंग्रेज़ सरकार का किन-किन विशेष पक्षों से बहिष्कार किया?
उत्तर:

1. अंग्रेज़ी स्कूलों का बहिष्कार
2. अंग्रेज़ी डाक व्यवस्था का बहिष्कार
3. अंग्रेज़ी अदालतों का बहिष्कार
4. विदेशी बनाए कपड़ों व अन्य वस्तुओं का बहिष्कार
5. अंग्रेज़ी कानूनों का बहिष्कार

प्रश्न 63: सतगुरु राम सिंह जी द्वारा स्त्री जाति के लिए किए गए उपकारों का वर्णन कीजिए।
उत्तर:

1. जन्मी हुई बेटियों को मारने से रोका
2. बाल विवाह, वटेरा विवाह और अजोड़े विवाह से रोका
3. विधवा विवाह शुरू किए
4. महिलाओं को अमृत की सौगात देकर भाइयों के बराबर किया
5. दहेज प्रथा समाप्त करके गुरमत आनंद मर्यादा की शुरुआत की

प्रश्न 64: अमृतसर श्री हरिमंदिर साहिब की पवित्रता बनाए रखने हेतु कितने सिंहों को फाँसी दी गई?
उत्तर: 5 सिंहों को फाँसी दी गई।

प्रश्न 65: सतगुरु राम सिंह जी ने सदा व्रत लंगर की शुरुआत कब और कहाँ की?
उत्तर: सन् 1862 ई. में श्री भैणी साहिब में।

प्रश्न 66: सतगुरु हरी सिंह जी का पहला नाम क्या था?
उत्तर: बाबा बुद्ध सिंह जी

प्रश्न 67: "यह सिखी को हरी रखेगा, इसे सिरकर्ता जानना" — ये बचन किसने और किसके बारे में कहे?
उत्तर: ये बचन सतगुरु राम सिंह जी ने सतगुरु हरी सिंह जी के बारे में कहे।

प्रश्न 68: सतगुरु प्रताप सिंह जी के माता-पिता का नाम बताइए।
उत्तर: पिता – श्री सतगुरु हरी सिंह जी
माता – जीवन कौर जी

प्रश्न 69: एक घंटा नाम-स्मरण करने का हुक्म सबसे पहले किस सतगुरु जी ने दिया?
उत्तर: श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी ने।

प्रश्न 70: सतगुरु प्रताप सिंह जी द्वारा बसाई गई नामधारी रियासत का नाम क्या है?
उत्तर: रियासत श्री जीवन नगर (सिरसा)।

प्रश्न 71: 'गुरु नानक नाम लेवा सर्व सम्प्रदाय सम्मेलन' किस सतगुरु जी ने, कब और कहाँ करवाया?

उत्तर: श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी ने, सन् 1934 ई. में श्री भैणी साहिब में।

प्रश्न 72: नामधारी विद्यक जत्थे के पहले प्रधान का नाम क्या था?

उत्तर: पंथ रत्न मास्टर निहाल सिंह जी।

प्रश्न 73: नितनेम की बाणियों के नाम बताइए।

उत्तर:

1. जपुजी साहिब
2. जापु साहिब
3. दोहों के हज़ारे
4. रहिरास
5. कीर्तन सोहिला
6. चंडी दी वार

प्रश्न 74: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी का बचपन का नाम क्या था?

उत्तर: 'बेअंत जी'

प्रश्न 75: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी के माता-पिता के नाम बताइए।

उत्तर: पिता – श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी
माता – भूपिंदर कौर जी

प्रश्न 76: 'गोपाल रत्न' की उपाधि किसे प्राप्त हुई?

उत्तर: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी को।

प्रश्न 77: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी ने देह त्याग कब किया?

उत्तर: 13 दिसंबर 2012 ईस्वी को।

प्रश्न 78: श्री भैणी साहिब में श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी की याद में बने मंदिर का नाम बताइए।

उत्तर: जगजीत मंदिर

प्रश्न 79: श्री भैणी साहिब के पाँच ऐतिहासिक स्थलों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. राम मंदिर
2. हरि मंदिर
3. जगजीत मंदिर
4. प्रताप मंदिर
5. अकाल बुंगा

प्रश्न 80: सतगुरु उदय सिंह जी गुरगद्दी के वारिस कब बने?
उत्तर: 13 दिसंबर 2012 को।

प्रश्न 81: सतगुरु उदय सिंह जी की पंथक दस्तारबंदी कब और कहाँ हुई?
उत्तर: 23 दिसंबर 2012 को, श्री भैणी साहिब में।

प्रश्न 82: सतगुरु उदय सिंह जी की पारिवारिक जानकारी बताइए।
उत्तर: पिता – महाराज बीर सिंह जी
माता – बेबे दिलीप कौर जी
पत्नी – माता गुरशरण कौर जी
बेटी – बीबी उज्जल कौर जी
पुत्र – श्री उत्तम सिंह जी

प्रश्न 83: अखंड पाठ कितने समय में किया जाता है?
उत्तर: 48 घंटों में।

प्रश्न 84: ईसाई धर्म का मुख्य ग्रंथ कौन-सा है?
उत्तर: बाइबल

प्रश्न 85: हिंदू धर्म के कितने वेद हैं?
उत्तर: 4 मुख्य वेद हैं।

प्रश्न 86: सिख धर्म के मुख्य प्राचीन ऐतिहासिक ग्रंथ कौन-कौन से हैं?
उत्तर:

1. जनम साखियाँ

2. सूरज प्रकाश
3. पंथ प्रकाश

प्रश्न 87: इस्लाम के धार्मिक ग्रंथ का नाम बताइए।
उत्तर: क़ुरान शरीफ़

भाग—3

प्रश्न: उत्तर

प्रश्न 1: श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?
उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश सन् 1469 ईस्वी में 'राय भोई की तलवंडी' में हुआ। इस स्थान को आजकल 'श्री ननकाना साहिब' कहा जाता है।

प्रश्न 2: श्री गुरु नानक देव जी के माता-पिता का नाम क्या था?
उत्तर: पिता – श्री मेहता कालू जी, माता – माता तृप्ता जी।

प्रश्न 3: श्री गुरु नानक देव जी की बहन का नाम क्या था?
उत्तर: बेबे नानकी जी।

प्रश्न 4: 'जपुजी साहिब' किस गुरु साहिब की रचना है?
उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी की।

प्रश्न 5: भटके हुए लोगों को सही मार्ग पर लाने के लिए गुरु नानक देव जी ने कितनी उदासियाँ की और कहाँ-कहाँ कीं?
उत्तर:

1. उत्तर में सुमेर पर्वत तक,
2. पूर्व में ढाका (बंगाल) तक,
3. दक्षिण में श्रीलंका तक,
4. पश्चिम में मक्का-मदीना तक।

प्रश्न 6: 'उदासी पंथ' किसने चलाया?
उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी के बड़े सुपुत्र बाबा श्री चंद जी ने।

प्रश्न 7: गुरु नानक देव जी ने धर्म की दृढ़ता के लिए कौन-सी नई परंपरा शुरू की?
उत्तर: उन्होंने अपनी गद्दी पर गुरु अंगद देव जी को बैठाकर देहधारी गुरु की परंपरा शुरू की।

प्रश्न 8: बाला और मरदाना किस सतिगुरु जी के सेवक थे?
उत्तर: श्री गुरु नानक देव जी के।

प्रश्न 9: गुरु अंगद देव जी का पहला नाम क्या था?
उत्तर: गुरु अंगद देव जी सिखों के दूसरे गुरु थे। उनका पहला नाम 'भाई लहणा' जी था।

प्रश्न 10: गुरु अंगद देव जी, गुरु नानक देव जी के सेवक बनने से पहले किसकी पूजा करते थे?
उत्तर: गुरु अंगद देव जी कई वर्षों तक देवी के दर्शन करने जाते रहे, परंतु उन्हें आत्मिक ज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई। जब उन्होंने गुरु नानक देव जी के दर्शन किए, तो उनका मन शांत हुआ और सेवा-सिमरन करके वे सतिगुरु रूप में प्रसिद्ध हुए।

प्रश्न 11: गुरु अंगद देव जी की सिख इतिहास में क्या महान देन है?
उत्तर: भाई बाले वाली "जनम साखी"।

प्रश्न 12: गुरमुखी विद्या का प्रचार किसने शुरू किया?
उत्तर: श्री गुरु अंगद देव जी ने।

प्रश्न 13: श्री गुरु अंगद देव जी ने प्रचार का मुख्य केंद्र कहाँ रखा?
उत्तर: उन्होंने करतारपुर से बदलकर खडूर साहिब को प्रचार का केंद्र बनाया और वहीं 13 वर्षों तक प्रचार करते रहे।

प्रश्न 14: श्री गुरु अमरदास जी ने गुरु नानक देव जी का संदेश घर-घर पहुँचाने के लिए क्या प्रबंध किए?
उत्तर:

1. 22 मंजी (प्रचारकों की नियुक्ति) की।
2. हर साल गोइंदवाल में वैशाखी का मेला करवाने का आदेश दिया।

प्रश्न 15: गोइंदवाल नगर किस गुरु जी ने बसाया?
उत्तर: गुरु अमरदास जी ने।

प्रश्न 16: श्री गुरु अमरदास जी ने किस मेले की शुरुआत की?
उत्तर: वैशाखी के मेले की।

प्रश्न 17: आनंद साहिब किस गुरु साहिब की रचना है?
उत्तर: श्री गुरु अमरदास जी की।

प्रश्न 18: श्री गुरु अमरदास जी कितने वर्ष गद्दी पर रहे?
उत्तर: 22 वर्ष (1552 से 1574 ईस्वी तक)।

प्रश्न 19: श्री गुरु अमरदास जी ने कुल कितनी दुनियावी उम्र भोगी?
उत्तर: 95 वर्ष, 3 महीने और 27 दिन।

प्रश्न 20: श्री गुरु रामदास जी का विवाह किससे हुआ?
उत्तर: माता भानी जी (श्री गुरु अमरदास जी की पुत्री) से।

प्रश्न 21: श्री गुरु रामदास जी का पहला नाम क्या था?
उत्तर: भाई जेठा जी।

प्रश्न 22: गुरु रामदास जी के पुत्रों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. श्री पृथी चंद जी
2. श्री महादेव जी
3. श्री गुरु अर्जन देव जी

प्रश्न 23: अमृतसर में राम सरोवर की खुदाई किसने करवाई?
उत्तर: श्री गुरु रामदास जी ने।

प्रश्न 24: श्री गुरु अर्जुन देव जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?
उत्तर: सन 1563 ईस्वी में गोइंदवाल साहिब में हुआ।

प्रश्न 25: श्री गुरु अर्जुन देव जी के परिवार से संबंधित जानकारी दीजिए।
उत्तर: पिता – गुरु रामदास जी
माता – माता भानी जी
पत्नी – माता गंगा जी
पुत्र – गुरु हरगोबिंद साहिब जी

प्रश्न 26: गुरु अर्जुन देव जी सिखों के कौन से गुरु थे?
उत्तर: पाँचवे।

प्रश्न 27: श्री गुरु अर्जुन देव जी ने किन-किन नगरों का निर्माण किया?
उत्तर: अमृतसर, तरनतारन, करतारपुर और छहरटा

प्रश्न 28: श्री गुरु अर्जुन देव जी को गुरगद्दी का तिलक किसने लगाया?
उत्तर: बाबा बुड्ढा जी ने।

प्रश्न 29: श्री हरिमंदिर साहिब का निर्माण किसने करवाया?
उत्तर: श्री गुरु अर्जन देव जी ने।

प्रश्न 30: हरिमंदिर साहिब की नींव किसने रखी?
उत्तर: मुसलमान फकीर साईं मियां मीर जी ने।

प्रश्न 31: हरिमंदिर साहिब के पहले हेड ग्रंथी का नाम बताइए।
उत्तर: बाबा बुड्ढा साहिब जी।

प्रश्न 32: श्री आदि गुरु ग्रंथ साहिब जी की संपादन किस गुरु साहिब ने और कब की?
उत्तर: श्री गुरु अर्जुन देव जी ने, सन 1604 ईस्वी में।

प्रश्न 33: श्री आदि गुरु ग्रंथ साहिब जी में किन-किन की बाणी दर्ज है?
उत्तर:

- 6 गुरु साहिबान की,
- 15 संत-भगतों की,
- 11 भट्ट कवियों की,
- और गुरु घर के निकटवर्ती 4 रबाबियों की बाणी।

प्रश्न 34: श्री गुरु अर्जुन देव जी को शहीद करने के लिए क्या-क्या कष्ट दिए गए?
उत्तर:

- उबलते कड़ाहे में बैठाया गया।
- तपती तवे पर बैठाकर सिर पर गर्म रेत डाली गई।

प्रश्न 35: श्री गुरु अर्जुन देव जी को कहाँ शहीद किया गया?
उत्तर: लाहौर (अब पाकिस्तान में)।

प्रश्न 36: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी के माता-पिता का नाम बताइए।
उत्तर: पिता – श्री गुरु अर्जन देव जी
माता – माता गंगा जी

प्रश्न 37: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने गुरु नानक देव जी की सिखी में क्या परिवर्तन किया?
उत्तर: उन्होंने सिखों को हाथ में तलवार पकड़कर भक्ति के साथ-साथ योद्धा और शूरवीर बनने का आदेश दिया।

प्रश्न 38: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी को "बंदी छोड़" क्यों कहा जाता है?
उत्तर: क्योंकि उन्होंने ग्वालियर के किले की कैद से रिहा होते समय 52 राजाओं को भी अपने साथ रिहा करवाया था।

प्रश्न 39: श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब जी को किस मुगल बादशाह ने कहाँ कैद किया?
उत्तर: मुगल बादशाह जहांगीर ने ग्वालियर के किले में।

प्रश्न 40: गुरु हरिगोबिंद साहिब जी ने मुग़ल हुकूमत के विरुद्ध कितनी और कहाँ-कहाँ लड़ाइयाँ लड़ीं?
उत्तर:

1. अमृतसर में
2. हरगोबिंदपुर में
3. नथाना (मालवा) में
4. करतारपुर में

प्रश्न 41: श्री राम राय जी कौन थे?
उत्तर: श्री राम राय जी, श्री गुरु हर राय जी के पुत्र थे।

प्रश्न 42: बादशाह औरंगजेब को 72 करामातें किसने दिखाईं?
उत्तर: श्री राम राय जी ने।

प्रश्न 43: श्री राम राय जी ने गुरबाणी की कौन-सी पंक्ति उलटी थी?
उत्तर: औरंगजेब के डर से उन्होंने “मिट्टी मुसलमान की” की जगह “मिट्टी बेईमान की” बोल दिया था।

प्रश्न 44: श्री गुरु हरिकृष्ण जी कितनी आयु में गुरगद्दी पर सुशोभित हुए?
उत्तर: पाँच वर्ष की आयु में।

प्रश्न 45: श्री गुरु हरिकृष्ण जी ने दिल्ली जाते हुए मार्ग में क्या विशेष कार्य किया?
उत्तर: श्री गुरु हरिकृष्ण जी ने अहंकारी पंडितों के संदेह को दूर करने के लिए पंजोखरा (अंबाला) में एक गूंगे और अनपढ़ छज्जू झीवर के सिर पर छड़ी रखकर उसे गीता के अर्थ सुनवाए।

प्रश्न 46: गुरु हरिकृष्ण जी ने देह त्यागने से पहले अपने गुरुगद्दी के नौवें वारिस के बारे में क्या हुक्म दिया था?
उत्तर: “बाबा बसे ग्राम बकाला" – अर्थात नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी बकाला नगर में प्रकट हुए हैं।

प्रश्न 47: गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) कहाँ हुआ था? उनके परिवार से संबंधित जानकारी दें।
उत्तर:
प्रकाश स्थान: अमृतसर
पिता: श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब जी
माता: नानकी जी
पत्नी: माता गुजरी जी
पुत्र: साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी

प्रश्न 48: श्री गुरु तेग बहादुर जी का पहला नाम क्या था?
उत्तर: श्री त्याग मल जी

प्रश्न 49: आनंदपुर साहिब किसने बसाया और इसका पहला नाम क्या रखा गया?
उत्तर: आनंदपुर साहिब को श्री गुरु तेग बहादुर जी ने बसाया। इसका पहला नाम "चक नानकी" रखा गया।

प्रश्न 50: श्री गुरु तेग बहादुर जी बकाले में कितने समय तक रहे?
उत्तर: श्री गुरु तेग बहादुर जी अपने पिता श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के आदेश अनुसार माता नानकी जी के साथ लगभग 20 वर्ष तक रहे।

प्रश्न 51: श्री त्याग मल जी को नाम "तेग बहादुर" कैसे प्राप्त हुआ?
उत्तर: जब श्री त्याग मल जी करतारपुर में छठे पातशाह गुरु हरिगोबिंद साहिब जी के साथ पहाड़ियों के आक्रमण के समय युद्ध में तलवार के अद्भुत कौशल दिखा रहे थे, तो गुरु हरिगोबिंद साहिब जी प्रसन्न होकर उन्हें "तेग बहादुर" नाम से संबोधित किया।

प्रश्न 52: बाबा बकाला में घोर तपस्या कर रहे गुरु तेग बहादुर जी को किसने पहचाना?
उत्तर: मक्खन शाह लुबाना ने "गुरु लाधो रे " कहकर उन्हें पहचाना।

प्रश्न 53: श्री मक्खन शाह लुबाना कौन थे?
उत्तर: वे एक व्यापारी थे जिनका डूबता हुआ जहाज़ उन्होंने प्रार्थना के पश्चात बचाया था।

प्रश्न 54: औरंगज़ेब द्वारा प्रजा पर ढाए गए अत्याचारों का संक्षिप्त वर्णन करें।
उत्तर:

- **औरंगज़ेब अपने पिता को कैद करवा कर और भाइयों की हत्या कर राजा बना।**
- **वह भारत को "दारुल इस्लाम" बनाना चाहता था।**
- **हिंदुओं पर कर मुसलमानों से दोगुना लगाया।**
- **मथुरा, बनारस और गुजरात के प्रसिद्ध मंदिर तुड़वाए।**
- **जज़िया पर यात्री कर लगा दिया गया।**
- **नदी किनारे मृतकों का संस्कार करना मना किया गया।**
- **कोई हिंदू पालकी, ईरानी या तुर्की घोड़े पर नहीं बैठ सकता था।**
- **कोई हिंदू यदि अपराधी होता तो मुसलमान बन कर दंड से बच सकता था।**

प्रश्न 55: औरंगज़ेब की सरकार ने गुरु तेग बहादुर जी के सामने शहीदी से पहले कौन-सी तीन शर्तें रखीं?
उत्तर:

1. **कोई चमत्कार दिखाओ, नहीं तो**
2. **इस्लाम स्वीकार करो, नहीं तो**

3. मृत्यु के लिए तैयार हो जाओ
   गुरु तेग बहादुर जी ने पहली दो शर्तें अस्वीकार कर दीं और तीसरी शर्त को स्वीकार करके शहादत दी।

प्रश्न 56: श्री गुरु तेग बहादुर जी के साथ किन-किन सिखों को और किस प्रकार शहीद किया गया?
उत्तर:

1. भाई मती दास जी: जीवित अवस्था में आरे से चीर दिया गया
2. भाई दयाला जी: उबलती देग (बर्तन) में उबाले गए।
3. भाई सती दास जी: रूई में लपेटकर आग में जला दिया गया

प्रश्न 57: श्री गुरु तेग बहादुर जी का शीश दिल्ली से आनंदपुर साहिब कौन लेकर गया?
उत्तर: भाई जैता जी

प्रश्न 58: श्री गुरु तेग बहादुर जी को कब और कहाँ शहीद किया गया?
उत्तर: स्थान: चांदनी चौक, दिल्ली
तारीख: 11 नवम्बर 1675 ई.

प्रश्न 59: गुरु तेग बहादुर जी को "हिंद की चादर" क्यों कहा जाता है?
उत्तर: क्योंकि उन्होंने हिंदू धर्म और पूरे हिंदुस्तान की आन-बान-शान की रक्षा हेतु शहादत दी।

प्रश्न 60: भाई तारू सिंह जी को किस प्रकार शहीद किया गया?
उत्तर: भाई तारू सिंह जी की खोपड़ी उतार दी गई थी।

प्रश्न 61: भाई मनी सिंह जी को किस प्रकार शहीद किया गया?
उत्तर: उनके शरीर के अंग- अंग को काटकर।

प्रश्न 62: मलेरकोटला में कितने नामधारी सिख शहीद हुए?
उत्तर: 66 सिख शहीद हुए।

प्रश्न 63: गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?
उत्तर: प्रकाश वर्ष: सन् 1666 ईस्वी
प्रकाश स्थान: पटना शहर (बिहार)

प्रश्न 64: गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार के बारे में जानकारी दीजिए।
उत्तर: पिता: गुरु तेग बहादुर जी
माता: माता गुजरी जी
पत्नी: माता जीतो जी, माता सुंदरी जी, माता साहिब देवां जी
पुत्र: साहिबजादा अजीत सिंह जी, साहिबजादा जुझार सिंह जी, साहिबजादा जोरावर सिंह जी, साहिबजादा फतेह सिंह जी

प्रश्न 65: गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कब और कहाँ की?
उत्तर: सन् 1699 ईस्वी को वैसाखी के दिन श्री आनंदपुर साहिब में।

प्रश्न 66: गुरु गोबिंद सिंह जी के पाँच प्यारे कौन-कौन थे?
उत्तर:

1. भाई दया सिंह जी
2. भाई धर्म सिंह जी
3. भाई हिम्मत सिंह जी
4. भाई मोहकम सिंह जी
5. भाई साहिब सिंह जी

प्रश्न 67: गुरु गोबिंद सिंह जी ने होला मोहल्ला की शुरुआत कब और कहाँ की?
उत्तर: सन् 1700 ईस्वी में श्री आनंदपुर साहिब में।

प्रश्न 68: गुरु गोबिंद सिंह जी ने कौन-कौन से किले बनवाए?
उत्तर: फतेहगढ़, आनंदगढ़, केसगढ़, सतलुज पार लोहगढ़, होलगढ़ और निर्मोहगढ़।

प्रश्न 69: "यह तलवार सिर मांगती है, कोई है जो इसकी प्यास बुझाएगा" — यह शब्द किसने और कहाँ कहे?
उत्तर: ये शब्द गुरु गोबिंद सिंह जी ने सन् 1699 ईस्वी को वैसाखी के दिन आनंदपुर साहिब में संगत को संबोधित करते हुए कहे।

प्रश्न 70: "नील वस्त्र ले कपड़े फाड़े तुर्क पठानी अमल गया" — के बारे में संक्षिप्त जानकारी दीजिए।
उत्तर: गुरु गोबिंद सिंह जी ने माछीवाड़े से "ऊच का पीर" बनकर नीले कपड़े पहनकर यात्रा की।

जब सोढ़ी कौल राय जी से मिलने पहुंचे, तो उन्होंने सफेद वस्त्र दिए और कहा कि नीले कपड़े त्याग दें। गुरु जी ने उन्हें जला दिया और ये पंक्ति कही। आगे कहा:
"गुरु सहयो हम सरबंस गार
तुक पलटाई हित उपकार"
अर्थात इस तुक को पलटने के बदले मैंने सारा परिवार अर्थात 7 सिर दिए हैं ।

प्रश्न 71: गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे कहाँ-कहाँ शहीद हुए?
उत्तर:

1. साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह — चमकौर की लड़ाई में।
2. साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह — सरहंद में।

प्रश्न 72: गुरु गोबिंद सिंह जी ने जीवित रहते हुए अलोप होने का नाटक कहाँ और कब किया?
उत्तर: श्री हजूर साहिब (नांदेड़) में, अक्टूबर 1708 ईस्वी में।

प्रश्न 73: गुरु गोबिंद सिंह जी "नाभे की झड़ी" में किस नाम से विहार करते रहे?
उत्तर: बाबा अजापाल सिंह जी के नाम से।

प्रश्न 74: गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरुत्व की गद्दी किसे और कब सौंपी?
उत्तर: गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरुगद्दी गुरु बालक सिंह जी को सन् 1812 ईस्वी में प्रदान की।

प्रश्न 75: "बेर ग्यारहवीं हम चल आवहि
तिसते कोईक हम लाख पावहि" —
यह पंक्तियाँ किस ग्रंथ में अंकित हैं और इसका अर्थ बताइए।
उत्तर: यह पंक्तियाँ ‘श्री गुर प्रताप सूरज ग्रंथ’ (रुत पंचमी, अंश 38) में अंकित हैं।
अर्थ: गुरु गोबिंद सिंह जी कहते हैं, "जब मैं ग्यारहवें रूप में आऊँगा, तो लाखों में से कोई विरला ही मुझे पहचान पाएगा।"

प्रश्न 76: श्री सतगुरु बालक सिंह जी ने गुरुगद्दी किसे सौंपी?
उत्तर: श्री सतगुरु राम सिंह जी को।

प्रश्न 77: श्री सतगुरु राम सिंह जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?
उत्तर: प्रकाश: सन् 1816 ईस्वी
स्थान: गांव राईयाँ (लुधियाना)

प्रश्न 78: सतगुरु राम सिंह जी के परिवार के बारे में जानकारी दीजिए।
उत्तर: पिता: बाबा जस्सा सिंह जी
माता: माता सदा कौर जी
भाई: भाई बुद्ध सिंह जी (सतगुरु हरी सिंह जी)
पत्नी: माता जसां जी
संतान: बीबी नंदा और बीबी दया कौर जी

प्रश्न 79: रायकोट में किन तीन नामधारी सिंहों को फाँसी दी गई?
उत्तर: संत मस्तान सिंह, संत मंगल सिंह और संत गुरमुख सिंह जी

प्रश्न 80: रायकोट साके के किन दो सिंहों को लुधियाना में कब फाँसी दी गई?
उत्तर: सूबा ज्ञानी रतन सिंह और संत रतन सिंह जी को
सेंट्रल जेल, लुधियाना में 26 नवंबर 1871 ईस्वी को फाँसी दी गई।

प्रश्न 81: सतगुरु राम सिंह जी ने सबसे पहले किन पाँच सिंहों को अमृत छकाया?
उत्तर:

1. भाई काहन सिंह निहंग
2. भाई लाभ सिंह रागी
3. भाई सुध सिंह
4. भाई आत्मा सिंह
5. भाई नैणा सिंह

प्रश्न 82: सतगुरु राम सिंह जी ने प्रचार हेतु कितने सूबा साहिबान स्थापित किए?
उत्तर: 22 सूबे स्थापित किए।

प्रश्न 83: सतगुरु राम सिंह जी के पहले पाँच सूबा साहिबानों के नाम बताओ?
उत्तर:

1. सूबा कहन सिंह निहंग

2. सूबा लखा सिंह
3. सूबा सुध सिंह
4. सूबा ज्वाहर सिंह
5. सूबा साहिब सिंह

प्रश्न 84: कूका पोस्टल सर्विस के इंचार्ज का नाम बताओ?
उत्तर: सूबा साहिब सिंह

प्रश्न 85: श्री सतगुरु राम सिंह जी के पंचायती सूबा का नाम बताओ?
उत्तर: सूबा ज्ञानी रतन सिंह

प्रश्न 86: सतगुरु राम सिंह जी ने "सदा वर्त लोह लंगर" कब स्थापित किया?
उत्तर: 1862 ई. में श्री भैणी साहिब में

प्रश्न 87: "शेर-ए-पंजाब" किसे कहा जाता है?
उत्तर: महाराजा रणजीत सिंह को

प्रश्न 88: महिलाओं को सबसे पहले अमृत किस सतगुरु जी ने, कब और कहाँ दिया?
उत्तर: सतगुरु राम सिंह जी ने 1 जून 1863 ई. को जिला लुधियाना के सियाड गाँव में

प्रश्न 89: आनंद कारज की रस्म किस सतगुरु जी ने, कब और कहाँ शुरू की?
उत्तर: सतगुरु राम सिंह जी ने 3 जून 1863 ई. को खोटे गाँव, जिला फिरोजपुर में

प्रश्न 90: मलेरकोटला साके में 17 जनवरी 1872 को कितने सिख शहीद हुए?
उत्तर: 50 सिख शहीद हुए

प्रश्न 91: मलेरकोटला में 18 जनवरी 1872 को कितने सिख शहीद हुए?
उत्तर: 16 सिख शहीद हुए

प्रश्न 92: शहीद बिशन सिंह कितनी उम्र में शहीद हुए?
उत्तर: 12 वर्ष की उम्र में

प्रश्न 93: सतगुरु राम सिंह जी ने किन विशेष पहलुओं को लेकर अंग्रेज सरकार का बहिष्कार किया?

उत्तर:

1. अंग्रेजी स्कूलों का बहिष्कार
2. अंग्रेजी डाक व्यवस्था का बहिष्कार
3. अंग्रेजी अदालतों का बहिष्कार
4. विदेशी बने कपड़े और अन्य चीज़ों का बहिष्कार
5. अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार

प्रश्न 94: अमृतसर में हरमंदिर साहिब की पवित्रता बनाए रखने हेतु नामधारी सिखों ने कसाइयों पर कब हमला किया और इस साके में कुल कितने सिख शहीद हुए?

उत्तर:

- 14-15 जून 1871 ई. की मध्य रात्रि को हमला किया गया।
- इसके तहत नीचे दिए गए सिखों को फाँसी की सजा दी गई:
    - 15 सितंबर 1871: भाई लहिणा सिंह, भाई फतेह सिंह, भाई हाकम सिंह पटवारी, भाई बीहला सिंह
    - 12 अगस्त 1873: भाई झंडा सिंह

प्रश्न 95: भाई नानूं सिंह जी कौन थे?

उत्तर: भाई नानूं सिंह जी, श्री सतगुरु राम सिंह जी के निजी सेवक थे

प्रश्न 96: श्री सतगुरु राम सिंह जी के हजूरी रागी कौन थे?

उत्तर: भाई दितू जी और भाई कालू जी, जो जिला जालंधर से थे

प्रश्न 97: श्री सतगुरु हरि सिंह जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ?

उत्तर:

- प्रकाश दिवस: 1819 ई.
- प्रकाश स्थान: गाँव राईयाँ, जिला लुधियाना

प्रश्न 98: श्री सतगुरु हरि सिंह जी के पिता और माता का नाम बताओ?

उत्तर:

- पिता: बाबा जस्सा सिंह जी

- माता: माता सदा कौर जी

प्रश्न 99: सतगुरु हरी सिंह जी का पहला नाम क्या था?
उत्तर: बाबा बुद्ध सिंह जी

प्रश्न 100: "यह सिखी को हरी रखेगा, इसे सिर करता जानना" – यह वचन किसने, किसके संबंध में कहे?
उत्तर: यह वचन सतगुरु राम सिंह जी ने सतगुरु हरी सिंह जी के बारे में कहे

प्रश्न 101: श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी का प्रकाश कब और कहाँ हुआ? उनके परिवार की जानकारी दो।
उत्तर:

- प्रकाश: 1890 ई.
- प्रकाश स्थान: श्री भैणी साहिब
- पिता: श्री सतगुरु हरी सिंह जी
- माता: माता जीवन कौर जी
- पत्नी: माता भूपिंदर कौर जी
- संतान: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी, श्री महाराज बीर सिंह जी

प्रश्न 102: श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी कितनी उम्र में गुरगद्दी पर सुशोभित हुए?
उत्तर: 16 वर्ष की उम्र में

प्रश्न 103: एक घंटा नाम-सिमरन करने का आदेश सबसे पहले किस सतगुरु जी ने और कब दिया?
उत्तर: श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी ने सन 1940 ई. में

प्रश्न 104: गुरु नानक सर्व-संप्रदाय सम्मेलन कब और कहाँ हुआ?
उत्तर: श्री भैणी साहिब में, सन 1934 ई. में

प्रश्न 105: गुरु नानक सर्व-संप्रदाय सम्मेलन में कौन-सा विशेष प्रस्ताव पास किया गया?
उत्तर: गुरु नानक देव जी को मानने वाली सभी संप्रदायों को आपसी सद्भावना, प्रेम और विद्वता के साथ एक-दूसरे के सिद्धांतों का सम्मान करना चाहिए और आलोचना की परंपरा को समाप्त करना चाहिए

प्रश्न 106: हिंदू-सिख मिलाप सम्मेलन कब और कहाँ हुआ?
उत्तर: सन 1943 ई. में श्री भैणी साहिब में, श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी ने करवाया

प्रश्न 107: "सतयुग" अखबार कब और कहाँ से छपना शुरू हुआ? इसके पहले संपादक कौन थे?
उत्तर:

- 1920 ई. में लाहौर से छपना शुरू हुआ
- पहले संपादक श्री मान स. निरंकार सिंह 'चेतन' थे

प्रश्न 108: महिलाओं को अलग जप प्रयोग की अनुमति कब और किसने मांगी?
उत्तर: सन 1919 में माता भूपिंदर कौर जी ने श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी से निवेदन कर अनुमति प्राप्त की

प्रश्न 109: आनंद मैरिज एक्ट किसने और कब पास करवाया?
उत्तर: श्री सतगुरु राम सिंह जी द्वारा 3 जून 1863 ई. में आनंद कार्य शुरू किया गया। इसी पर आधारित वायसराय काउंसिल ने 20 अक्टूबर 1909 ई. को आनंद मैरिज एक्ट पास किया।

प्रश्न 110: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी का प्रकाश कहाँ और कब हुआ? उनकी पारिवारिक जानकारी भी बताइए।
उत्तर: प्रकाश वर्ष – 1920 ईस्वी
प्रकाश स्थान – श्री भैणी साहिब
पिता – श्री सतगुरु प्रताप सिंह जी
माता – माता भुपिंदर कौर जी
सुपत्नी – माता चंद कौर जी एवं स्वर्गीय माता रजिंदर कौर जी
सपुत्री – बीबा साहिब कौर जी

प्रश्न 111: सतगुरु जगजीत सिंह जी कब ज्योति ज्योत समाए?
उत्तर: 13 दिसंबर 2012

प्रश्न 112: नामधारी विद्यक जत्थे के पहले प्रधान का नाम बताइए?
उत्तर: पंथ रत्न मास्टर निहाल सिंह जी

प्रश्न 113: मनमुख, गुरमुख और बेमुख का क्या अर्थ है?
उत्तर:

- जो व्यक्ति अपने मन के अनुसार कार्य करता है, उसे मनमुख कहते हैं।
- जो व्यक्ति गुरु के आदेशों के अनुसार चलकर जीवन बिताता है, वह गुरमुख कहलाता है।
- जो व्यक्ति गुरु को मानने से इंकार कर देता है, वह बेमुख कहलाता है।

प्रश्न 114: नितनेम की बाणियों के नाम बताइए?

उत्तर: जापुजी साहिब, जाप साहिब, दोनों के हज़ारे, रहिरास, कीर्तन सोहिला, और चंडी दी वार

प्रश्न 115: अमृत तैयार करते समय किन-किन बाणियों का पाठ किया जाता है?

उत्तर: जापुजी साहिब, जाप साहिब, चौपई, आनंद साहिब, और सवैये (दसवीं पातशाही)

प्रश्न 116: हवन करते समय किन-किन बाणियों का पाठ किया जाता है?

उत्तर: जापुजी साहिब, जाप साहिब, चौपई, चंडी चरित्र (दूसरा), अकाल उसतत, चंडी दी वार, और उग्रदंती

प्रश्न 117: अखंड पाठ का भोग मर्यादा अनुसार कितने समय में डाला जाता है?

उत्तर: 48 घंटों के भीतर

प्रश्न 118: अखंड पाठ के लिए कितने सिंहों की आवश्यकता होती है?

उत्तर: पाठी – 5 सिंह, धूपिये – 5 सिंह, लांगरी – 2 सिंह, पहरू – 2 सिंह, कुल – 14 सिंह

प्रश्न 119: अलग-अलग प्रकार की वरनी में कितने पाठ या माला की जाती हैं?

उत्तर:

1. चौपई की वरनी – 101 पाठ
2. चंडी दी वार की वरनी – 101 पाठ
3. भजन की वरनी – 25 माला भजन की

   (हवन, अखंड पाठ या वरनी में कोई भी सिंह बिना सोध मर्यादा के शामिल नहीं हो सकता।)

प्रश्न 120: श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी का बचपन का नाम क्या था?

उत्तर: बचपन का नाम 'बेअंत' जी' था।

प्रश्न 121: सतगुरु उदय सिंह जी गुरगद्दी के वारिस कब बने?
उत्तर: 13 दिसंबर 2012 को

प्रश्न 122: सतगुरु उदय सिंह जी की पंथक दस्तारबंदी कब और कहाँ हुई?
उत्तर: 23 दिसंबर 2012 को श्री भैणी साहिब में

प्रश्न 123: सतगुरु उदय सिंह जी की पारिवारिक जानकारी बताइए।
उत्तर: पिता – महाराज बीर सिंह जी
माता – बेबे दिलीप कौर जी
सुपत्नी – माता गुरशरन कौर जी
सपुत्री – बीबी उज्जल कौर जी
सपुत्र – श्री उत्तम सिंह जी

प्रश्न 124: सतगुरु उदय सिंह जी की रहनुमाई में बनें नामधारी पंथ के धार्मिक स्थलों के नाम बताइए (कोई 5 याद करें)।
उत्तर:

1. श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी और माता चंद कौर जी की याद में "श्री जगजीत मंदिर", जहाँ निरंतर अखंड पाठ चलता है।
2. श्री सतगुरु राम सिंह जी का तप स्थान "अकाल बुंगा" दर्शनीय स्थल बना।
3. श्री भैणी साहिब में मेलों के समय संगत के बैठने हेतु 200×400 फ़ुट का "गुरु नानक सत्संग भवन" बनाया गया।
4. श्री माता भुपिंदर कौर जी की याद में गुरसर (मालवा) में धर्मशाला।
5. रामपुरा फूल में नामधारी धर्मशाला, शहीद सिंहों की याद में।
6. नामधारी शहीदी स्मारक (लुधियाना) का नया निर्माण।
7. सूबा साहिब सिंह जी की याद में गाँव बंगालीपुर (तरनतारन) में धर्मशाला की स्थापना।
8. मैसरखाना (मालवा) में 'सतगुरु राम सिंह धर्मशाला' का निर्माण।
9. भाई रूपा गाँव में 'नामधारी धर्मशाला' का निर्माण।
10. ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में 35 एकड़ ज़मीन लेकर कार्यक्रमों हेतु बड़े हाल का निर्माण।
11. कनाडा के टोरंटो शहर में 97 एकड़ ज़मीन खरीदी गई ताकि साध-संगत के बड़े कार्यक्रम आसानी से किए जा सकें।

12. देश की आज़ादी के लिए कैद भुगतने वाले नामधारी सूबा साहिब सिंह और सूबा कहन सिंह जी की स्मृति में हजारी बाग की सेंट्रल जेल में सुंदर बाग बनाकर उनकी मूर्तियाँ स्थापित की गईं।

प्रश्न 125: सतगुरु उदय सिंह जी की रहनुमाई में चल रहे पंथ के कार्यों का विवरण दीजिए (कोई 10 याद करें)।

उत्तर:

1. देश-विदेश में आपसी सद्भावना बनाए रखने हेतु सर्वधर्म सम्मेलनों का आयोजन।
2. सतगुरु जगजीत सिंह जी द्वारा आरंभ की गई श्री आदि गुरु ग्रंथ साहिब जी के सवा लाख पाठों की श्रृंखला को 2019 में पूर्ण करवाया गया। इसके बाद 11,000 पाठों की श्रृंखला शुरू की गई, जो समाप्त हो चुकी है और अगली श्रृंखला निरंतर जारी है।
3. नामधारी बच्चों को संगीत, पंजाबी, गुरमुखी और गुरबाणी शिक्षण हेतु ऑनलाइन कक्षाओं की शुरुआत।
4. श्री दशम गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों की शुद्धता करवाकर नए स्वरूप छपवाए गए एवं नामधारी गुटकों की बाणियों के सरल अर्थों सहित टीका (व्याख्या सहित गुटका) छपवाया गया।
5. चंडी दी वार और चौपई साहिब के सवा लाख पाठ करवाकर भव्य हवन यज्ञों का आयोजन।
6. श्री भैणी साहिब में नामधारी फुटबॉल टीम की स्थापना।
7. श्री जीवन नगर में नामधारी स्पोर्ट्स अकादमी की शुरुआत और नए ग्राउंडों का निर्माण।
8. सतगुरु जगजीत सिंह जी की स्मृति में वार्षिक संगीत सम्मेलनों का आयोजन।
9. श्री सतगुरु जगजीत सिंह जी की शास्त्रीय संगीत और गुरमत संगीत में दी गई सेवाओं को समर्पित 'संगीत स्वरूप सतगुरु' नामक डॉक्यूमेंट्री तैयार करवाई गई।
10. सतगुरु जगजीत सिंह गुरमत संगीत और शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता की शुरुआत, जिसमें देशभर से बच्चे भाग लेते हैं।
11. वृद्ध और बीमारों की देखभाल के लिए श्री भैणी साहिब में स्थापित वृद्धाश्रम ('बृधाश्रम') का आधुनिक सुविधाओं सहित विस्तार।
12. नामधारी साहित्य से संबंधित प्राचीन और नई दर्जनों पुस्तकों का प्रकाशन।
13. मीडिया युग में पंथक गतिविधियों को जोड़ने के लिए श्री भैणी साहिब 'ऐप और यूट्यूब चैनल' की शुरुआत की गई।

14. देसी नस्ल की गायों की देखभाल हेतु श्री भैणी साहिब में गौशाला का नया निर्माण और विस्तार।
15. 1920 से प्रकाशित 'सतयुग अखबार' को मैगज़ीन रूप दिया गया और इसे ऑनलाइन पढ़ने के लिए 'सतयुग ऐप' की शुरुआत की गई।
16. हर वर्ष थाईलैंड, इंग्लैंड, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा आदि देशों का दौरा करके संगत को नाम, गुरबाणी और सिख सिद्धांतों से जोड़ा जाता है।
17. नामधारी नौजवानों को उत्तम जत्थेदार और प्रचारक बनाने के लिए 'नामधारी प्रचारक कोर्स' की शुरुआत की गई।
18. देश और विदेश के नौजवानों को सिख सिद्धांतों के प्रति जागरूक करने हेतु अनेक यूथ कैंप आयोजित किए जाते हैं।

****